Subject - Political Science, Paper - V (UG Part - 3rd Honors)

Topic - अर्थ, प्रकृति, क्षेत्र एवं विकास

Dr. Md Shahab Uddin (J.J.C, Ara)

राजनीति विज्ञान (Political Science) में "अर्थ" की भूमिका और महत्व

राजनीति विज्ञान एक ऐसा विषय है जो सत्ता, शासन, नीतियों और सामाजिक संरचनाओं का अध्ययन करता है। इसमें "अर्थ" का व्यापक संदर्भ है, क्योंकि राजनीति और आर्थिक गतिविधियाँ एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी हुई हैं। किसी भी राष्ट्र की राजनीति उसकी अर्थव्यवस्था को प्रभावित करती है, और आर्थिक स्थिति राजनीतिक फैसलों को दिशा देती है।

बीए तृतीय वर्ष के राजनीति विज्ञान के संदर्भ में, "अर्थ" को समझने के लिए हमें निम्नलिखित महत्वपूर्ण पहलुओं को देखना होगा:

1. राजनीति और आर्थिक संरचना का संबंध

हर देश में आर्थिक संसाधनों का वितरण और उपयोग एक राजनीतिक प्रक्रिया के तहत होता है। सरकारें न केवल आर्थिक नीतियाँ बनाती हैं, बल्कि यह तय करती हैं कि धन का उपयोग कैसे किया जाएगा और कौन-से क्षेत्र प्राथमिकता में रहेंगे।

(A) सरकार और आर्थिक नीतियाँ

- सरकारें अपने बजट और नीतियों के माध्यम से आर्थिक विकास को प्रभावित करती हैं।
- किसी भी देश में आर्थिक सुधार और जन-हितकारी योजनाएँ सरकार की राजनीतिक इच्छाशक्ति पर निर्भर करती हैं।
- सरकारें कर प्रणाली (Taxation), सार्वजनिक व्यय (Public Expenditure), और व्यापार नीतियों के माध्यम से अर्थव्यवस्था को नियंत्रित करती हैं।

उदाहरण:
भारत में 1991 के आर्थिक सुधारों ने अर्थव्यवस्था को उदारीकरण (Liberalization),

निजीकरण (Privatization), और वैश्वीकरण (Globalization) की ओर मोड़ा, जिससे देश की आर्थिक और राजनीतिक संरचना पूरी तरह बदल गई।

2. राज्य और अर्थव्यवस्था का आपसी संबंध

राज्य की स्थिरता और प्रगति इस बात पर निर्भर करती है कि उसकी आर्थिक स्थिति कितनी मजबूत है। आर्थिक संसाधनों की उपलब्धता से ही कोई सरकार अपने नागरिकों के लिए जन-कल्याण योजनाएँ लागू कर सकती है।

(A) जन-कल्याणकारी योजनाएँ और आर्थिक विकास

- एक उत्तरदायी राज्य (Responsible State) अपने नागरिकों को शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसी सुविधाएँ प्रदान करता है।
- सरकार के पास पर्याप्त आर्थिक संसाधन होने चाहिए ताकि वह सामाजिक सुरक्षा (Social Security) के उपाय कर सके।
- जन-हितकारी योजनाओं के लिए बजट का प्रबंधन और वितरण एक राजनीतिक मुद्दा भी होता है।

उदाहरण:
स्वीडन जैसे देशों में ऐसी व्यवस्थाएँ हैं, जहाँ सरकार नागरिकों को मुफ्त शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और बेरोजगारी भत्ते जैसी सुविधाएँ देती है।

(B) पूँजीवाद बनाम समाजवाद

राजनीतिक और आर्थिक विचारधाराएँ इस बात पर निर्भर करती हैं कि अर्थव्यवस्था को कैसे संचालित किया जाना चाहिए।

विचारधारा	अर्थव्यवस्था में भूमिका
पूँजीवाद (Capitalism)	निजी क्षेत्र को अधिक स्वतंत्रता, न्यूनतम सरकारी हस्तक्षेप।
समाजवाद (Socialism)	सरकार द्वारा संसाधनों का नियंत्रण, समानता पर ज़ोर।
मिश्रित अर्थव्यवस्था (Mixed Economy)	निजी और सार्वजनिक क्षेत्र दोनों का संतुलन।

उदाहरण:

- अमेरिका एक पूँजीवादी अर्थव्यवस्था का अनुसरण करता है।
- भारत मिश्रित अर्थव्यवस्था को अपनाता है, जहाँ निजी और सरकारी दोनों क्षेत्र सक्रिय हैं।

---

3. अंतर्राष्ट्रीय राजनीति और अर्थव्यवस्था

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी अर्थव्यवस्था राजनीति से प्रभावित होती है। देश अपने व्यापार, निवेश और औद्योगिक विकास के लिए एक-दूसरे पर निर्भर होते हैं।

(A) भू-राजनीति और आर्थिक संसाधन

- वैश्विक स्तर पर प्राकृतिक संसाधनों (जैसे तेल, गैस, खनिज) के लिए संघर्ष होता रहा है।
- बड़ी शक्तियाँ अक्सर अन्य देशों की अर्थव्यवस्थाओं को प्रभावित करने के लिए प्रतिबंध (Sanctions) और व्यापार नीतियों का उपयोग करती हैं।

उदाहरण:

- रूस और पश्चिमी देशों के बीच आर्थिक प्रतिबंधों की राजनीति।
- दक्षिण चीन सागर में व्यापार मार्गों को लेकर देशों के बीच विवाद।

(B) वैश्विक संस्थाएँ और आर्थिक नियंत्रण

अंतर्राष्ट्रीय संस्थाएँ वैश्विक आर्थिक निर्णयों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

- **अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF)** और **विश्व बैंक (World Bank)** आर्थिक नीतियाँ बनाने में मदद करते हैं।
- **विश्व व्यापार संगठन (WTO)** वैश्विक व्यापार को नियंत्रित करता है।
- **यूरोपीय संघ (EU)** एक आर्थिक और राजनीतिक संगठन है जो अपने सदस्य देशों की अर्थव्यवस्था को नियंत्रित करता है।

उदाहरण:
COVID-19 महामारी के दौरान IMF और विश्व बैंक ने कई देशों को आर्थिक सहायता प्रदान की।

4. लोकतंत्र, चुनाव और आर्थिक नीतियाँ

लोकतांत्रिक व्यवस्था में आर्थिक फैसले लोगों की जरूरतों और सरकारों की नीतियों पर निर्भर करते हैं।

(A) चुनावी राजनीति और आर्थिक रणनीति

- राजनीतिक दल चुनाव जीतने के लिए कई आर्थिक योजनाएँ पेश करते हैं।
- सरकारें अपने घोषणापत्र में आर्थिक सुधार, रोजगार योजनाएँ और सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों को शामिल करती हैं।

उदाहरण:
2019 के भारतीय आम चुनाव में प्रमुख दलों ने किसानों के लिए ऋण माफी और बेरोजगारी भत्ता देने जैसे वादे किए थे।

(B) भ्रष्टाचार और आर्थिक नीतियाँ

- भ्रष्टाचार किसी भी देश की आर्थिक स्थिति को कमजोर करता है।
- पारदर्शिता और सुशासन (Good Governance) किसी भी देश की आर्थिक मजबूती के लिए आवश्यक होते हैं।

उदाहरण:

- 2016 में भारत में नोटबंदी (Demonetization) लागू किया गया था ताकि काले धन (Black Money) को रोका जा सके।

5. निष्कर्ष

राजनीति और अर्थव्यवस्था एक-दूसरे से पूरी तरह से जुड़े हुए हैं।

- सरकारें आर्थिक संसाधनों के उचित वितरण के लिए नीतियाँ बनाती हैं।
- अंतर्राष्ट्रीय संबंध आर्थिक नीतियों और व्यापार पर आधारित होते हैं।
- लोकतंत्र और चुनावी प्रक्रिया में आर्थिक नीतियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

अगर किसी देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी, तो उसकी राजनीतिक स्थिरता भी बनी रहेगी। इसीलिए, राजनीति विज्ञान का अध्ययन केवल सत्ता और शासन तक सीमित नहीं होता, बल्कि इसमें आर्थिक कारकों को भी बराबर महत्व दिया जाता है।

अनुशंसित अध्ययन सामग्री:

1. **एडम स्मिथ** – The Wealth of Nations (1776)
2. **कार्ल मार्क्स** – Das Kapital (1867)
3. **जॉन मेनार्ड कीन्स** – The General Theory of Employment, Interest, and Money (1936)
4. **अमर्त्य सेन** – Development as Freedom (1999)